एचएनबी गढ़वाल यूनिवर्सिटी (a central university), श्रीनगर - गढ़वाल (उत्तराखंड) के बी. एस. सी. (वानिकी) के विद्यार्थियों का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर भ्रमण

दिनांक 27.2.19

एचएनबी गढ़वाल यूनिवर्सिटी (a central university), श्रीनगर - गढ़वाल (उत्तराखंड) के बी. एस. सी. (वानिकी) तृतीय वर्ष के 32 विद्यार्थी एवं 2 पीएचडी स्कॉलर के दल ने प्रभागाध्यक्ष, वानिकी एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग, डॉ. ए. के. नेगी के नेतृत्व में दिनांक 27.2.19 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया। भ्रमण के प्रारम्भ में दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण किया। जहां विस्तार प्रभाग की तकनीशियन श्रीमती मीता सिंह तोमर ने उन्हें वहाँ प्रदर्शित शोध संबंधी जानकारी दी, जिसमें आफरी के विभिन्न प्रभागों द्वारा विकसित तकनीक और अनुसंधान गतिविधियाँ शामिल थी।

भ्रमणकारी दल ने संस्थान की प्रायोगिक पौधशाला का भी भ्रमण किया जहां, तकनीकी अधिकारी श्री सादुलराम देवड़ा ने उन्हें नर्सरी गतिविधियों, कंपोस्टिंग, ग्रीन हाउस, मिस्ट चेम्बर और औषधीय पौधों के उपयोग और संवर्धन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

इसके बाद दल ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया । सेंट्रल लेब में जे.आर.एफ. सुश्री सुशीला ने उन्हें विभिन्न रोगकारी कवक प्रजातियों एवं उनके संवर्धन, खेजड़ी मर्तयता एवं पादप सुरक्षा से जुड़े अनुसंधान में उपयोग आने वाले विभिन्न उपकरणों के बारे में जानकारी दी। ICPMS प्रयोगशाला में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, श्री नरेंद्र कुमार लिम्बा ने उन्हें ICPMS मशीन के उपयोग की विधि एवं इससे जुड़े विभिन्न लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आण्विक जीव-विज्ञान प्रयोगशाला में शोधार्थियों ने भ्रमणकारी दल को आण्विक जीव-विज्ञान में उपयोग होने वाली विभिन्न विधियों और इसके लाभ के बारे में बताया। उत्तक संवर्धन प्रयोगशाला में सुश्री कोंपल ने विद्यार्थियों को उत्तक संवर्धन की विधि एवं इससे पौधे तैयार करने से जुड़े लाभों की बारे में अवगत कराया।

प्रभागाध्यक्ष, विस्तार श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने भ्रमणकारी दल को पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के द्वारा संस्थान के अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। श्री चौधरी ने दल को वृक्षों के प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभ का जिक्र करते हुए पर्यावरण संरक्षण की महत्ता भी बतायी।

WELCOME

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान